हम कब से राह निहारे,
क्यो ना आये बाबोसा हमारे,
एक पल भी चेन न आवे,
बिन दर्शन के तुम्हारे,
हो..पल पल , पल पल.
याद तेरी तड़पावे रे,
अब आजा चूरू के राजा,
भक्त बुलावे है रे।।

तर्ज तेरी अँखिया को यो काजल।

अँखिया तरस रही है,
तेरा करने को दीदार,
ये दिल की हर धड़कन भी,
तुमको रही पुकार,
मेरी जिंदगी का अब ये,
पहलू बदल न जाये,
कही तुम्हारे आते आते,
मेरा दम निकल न जाये,
हो..पल पल , पल पल.
याद तेरी तड़पावे रे,
अब आजा चूरू के राजा,
भक्त बुलावे है रे।।

कही टूट न जाये बाबा,

तेरे भक्तो की ये आस,
दौड़े आयेंगे बाबोसा,
है पक्का मुझे विस्वास,
दिल से बुलाओ दिलबर,
आयेगे वो जरूर,
अपने भक्तो की विनती,
नही ठुकरायेंगे हुजूर,
हो..पल पल , पल पल.
याद तेरी तड़पावे रे,
अब आजा चूरू के राजा,
भक्त बुलावे है रे।।

हम कब से राह निहारे,
क्यो ना आये बाबोसा हमारे,
एक पल भी चेन न आवे,
बिन दर्शन के तुम्हारे,
हो..पल पल , पल पल.
याद तेरी तड़पावे रे,
अब आजा चूरू के राजा,
भक्त बुलावे है रे।।

लेखक / प्रेषक दिलीप सिंह सिसोदिया दिलबर।
9907023365

Source:
https://www.bharattemples.com/hum-kab-se-raah-nihare-kyo-na-aaye-babosa-hamare/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw